2018-19

विविधा

ACCREDITED WITH GRADE

B

NAAC

GOVT. PT. SHYAMACHARAN SHUKLA COLLEGE

(Shankar Nagar) DHARSIWA, Dist. Raipur (C.G.)

E.mail Id- gcollegedharsiwa@ymail.com Web site- www. gpssc.in contact No.9893043414

Memories of NAAC Visit

[17th -18th January 2019]

Interaction with Students

Interaction with Parents

Visit of Vice-Chancellor (Pt.RSU)

Meeting with Vice Chancellor

Cultural Evening

Exit Meet

Momento/Memories

विविधा 2018–19

Govt. Pt. Shyamacharan ShuKla College
(Shankar Nagar) Dharsiwa Raipur (C.G.)
जल है
तो
कल

NAAC
UGC
IQAC

विविधा

वार्षिक पत्रिका

सत्र 2018–19

संरक्षक

डॉ. डी.एस. जगत

(प्राचार्य)

पत्रिका समिति

सुश्री अदिति भगत (पत्रिका प्रभारी)

डॉ. सुनीता दुबे (सदस्य)

डॉ. रश्मि कुजूर (सदस्य)

शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय

(शंकर नंगर) धरसींवा, रायपुर (छत्तीसगढ़)

E-mail- gcollegedharsiwa@ymail.com, Website – www.gpssc.in, Contact No-9893043414

संपादकीय

सृजन एक मानसिक प्रक्रिया है जिसमें नये विचार, उपाय या अवधारणा का जन्म होता है।

सृजनात्मकता युवा वर्ग में प्रायः सामान्य गुण के रूप में होता है, उनमें न केवल मौलिकता का गुण होता है, वरन उनमें लचीलापन, प्रवाहमयता, प्रेरणा एवं ओजपूर्णता की योग्यता भी पाई जाती है। महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं किसी भी महाविद्यालय की उर्जा का स्त्रोत होते हैं जिनमें कलात्मकता व सृजनात्मकता की अपार संभावनाएं व्याप्त होती हैं, आवश्यकता होती है तो केवल उन्हें अवसर व अभिप्रेरणा प्रदान करने की और हमारी महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका "विविधा" यही अवसर व माध्यम प्रदान करने का उद्देश्य रखती है।

विविधा के अब तक के सभी अंको में विद्यार्थियों व माहाविद्यालयीन स्टाफ ने अपनी लेखन व साहित्यिक कृतियों को प्रस्तुत करने में रुची दिखाई है, निश्चित ही इसी सहभागिता ने विविधा को आकर्शक रुप प्रदान करने में मुख्य भूमिका निभाई है। पत्रिका न केवल अपनी लेखन सृजनात्मकता को प्रस्तुत करने का माध्यम प्रदान करती है, अपितु वार्शिक अकादमिक गतिविधियों को भी संजो कर रखने का स्थान देती है।

विविधा 2018–19 भी इन्हीं विविधताओं को एकरुपता प्रदान किये, अपने परंपरागत भाव व नवीन स्वरुप के साथ पाठकों के लिये सहर्श प्रस्तुत है।

(सुश्री. अदिती रानी भगत)
पत्रिका प्रभारी

प्राचार्य की कलम से........

शैक्षणिक उत्कृष्टता, व्यक्तित्व विकास व समाजिक उन्मुखिकरण का उद्देश्य लिए शासकीय पंडित श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय, धरसींवा अपने विकासपथ पर निरंतर अग्रसर है। अपने ध्येय वाक्य ***"जननी जन्म भूमि च स्वर्गादपि गरीयसी"*** की दिशा पर चलते हुए महाविद्यालय अपने आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्ष का प्रचार–प्रसार, ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को रोजगार हेतु मार्गदशन करना, वैश्विक ज्ञान से गाँव के छात्र–छात्राओं को जोड़ना, विद्यार्थियों में अनुशासन, तर्कशीलता, वैज्ञानिक चेतना, स्वविवेक व आचरण का विकास करना व समाज के कमजोर वर्ग के छात्र–छात्राओं को प्रबल बनाने का सार्थक प्रयास करता रहा है। निश्चित ही इन्हीं प्रयासों के फलस्वरुप महाविद्यालय ने सत्र 2018–19 में अपने प्रथम नैक मूल्यांकन में ही 'B' ग्रेड प्राप्त कर लिया।

महाविद्यालयीन पत्रिका किसी भी महाविद्यालय का दर्पण होती है, जिसके माध्यम से महाविद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ साहित्यिक रुचि का भी पता चलता है। हमारे महाविद्यालय की वार्शिक पत्रिका "विविधा" अपने संकलन में विविधता को पिरोये इस बात का प्रमाण है कि विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय परिवार प्रतिबद्ध है व इस क्षेत्र में हम निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं।

विविधा सम्पूर्ण महाविद्यालय के विचारों की अभिव्यक्ति के विभिन्न रंगों से सजी संस्था के विकास के साक्ष्य के रुप में निरंतर प्रकाशित होती रही है, जिससे की महाविद्यालय की चहुमुखी विकास की जानकारी प्रदशित हो सके।

डॉ. डी.एस. जगत
(प्राचार्य)
शास. पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय
धरसींवा – रायपुर (छ.ग.)

उमेश पटेल
मंत्री
छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा, कौशल विकास,
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग

मंत्रालय कक्ष क्रमांक- M1-12
महानदी भवन, अटल नगर, रायपुर 492002 (छत्तीसगढ़)
फोन : 0771-2510316, 2221316
नि.: D-1/2, शास. आवासीय परिसर, देवेन्द्र नगर, रायपुर
फोन : 0771-2881030
ग्राम व पोस्ट नंदेली, जिला-रायगढ़ कार्यालय: 7000477747

क्रमांक B/1234 दिनांक 26/07/2019

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "विविधा" का प्रकाशन किया जा रहा है। छात्राओं के रचनात्मक ऊर्जा के विकास, सृजन–क्षमता का प्रदर्शन, व्यक्तित्व एवं अभिरूचि को विकसित करने के लिए महाविद्यालयीन पत्रिका एक सशक्त माध्यम होती है।

आशा है महाविद्यालय पत्रिका "विविधा" महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियां एवं छात्राओं के साहित्यिक, सांस्कृतिक, सृजनात्मकता को विकसित एवं प्रकाशित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

महाविद्यालयीन पत्रिका प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(उमेश पटेल)

श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा
विधायक
विधानसभा क्षेत्र क्र.-47, धरसींवा
जिला - रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय : दादा गुरू कंस्ट्रक्शन, सांकरा (निको) जिला-रायपुर (छ.ग.)
निवास : रायपुर- म.क्र. 14, अवनि प्राईड दलदल सिवनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.)
स्थाई निवास : विष्णु निवास, ग्राम-टेकारी, पो.-गिरौद तहसील-धरसींवा, जिला-रायपुर (छ.ग.)
मो. : 94242-00122

क्रमांक : 178 दिनांक 22.01.19

शुभकामना संदेश

प. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय धरसीवा (रायपुर) के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वार्षिक पत्रिका "विविधा" का प्रकाशन किया जा रहा है, यह जानकर प्रसन्नता हुई। महाविद्यालय की यह प्रत्रिका के माध्यम से छात्र छात्राओ के रचनात्मक लेखन एवं बौद्धिक विकास में वृद्धि होगी। वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय के वर्षभर की गतिविधियो का दर्पण सिध्द होगी।

इस पत्रिका के प्रकाशन हेतु मैं महाविद्यालय परिवार एवं छात्र छात्राओ को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

Anita Sharma
(अनिता शर्मा)

डॉ. केशरी लाल वर्मा
कुलपति

Dr. Keshari Lal Verma
Vice Chancellor

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) भारत
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (Chhattisgarh) - 492010-INDIA
Office : +91 771-2262857
Fax : +91 771-2263439
E-mail : vc_raipur@prsu.org.in
Website : www.prsu.ac.in
Mobile : 08527324400

रायपुर, दिनांक 25 अप्रैल, 2019

शुभकामना

यह जानकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई कि शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय, धरसींवा, रायपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'विविधा'** सत्र 2018–19 का प्रकाशन किया जा रहा है। किसी भी शैक्षणिक संस्था का उद्देश्य अपने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ–साथ बौद्धिक एवं मानसिक रूप से सक्षम बनाना है। महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं अभिरुचि को विकसित एवं प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम होती है। इसके माध्यम ये युवाओं के सृजनात्मक प्रतिभा एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को पथ प्रदर्शित किया जाएगा, ऐसा विश्वास है।

'विविधा' में महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों की साहित्यिक, सांस्कृतिक सृजनात्मकता को यथोचित स्थान मिले।

महाविद्यालय परिवार को मेरी अशेष शुभकामनाएँ।

(केशरी लाल वर्मा)

प्रति,

प्राचार्य,
शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय,
(शंकर नगर) धरसींवा
रायपुर (छत्तीसगढ़)

विविधा

वार्षिक पत्रिका 2018-19

अनुक्रमणिका

क्र.	विषय/शीर्षक	संकलनकर्ता	कक्षा/विभाग
	विशेष उपलब्धि		
01.	महाविद्यालय का नैक प्रत्यायन	-	-
02.	महाविद्यालय का गौरव	-	-
03.	प्रोत्साहन पुरस्कार - गोल्ड मेडल	-	-
	कविता		
04.	शब्द सुमनांजलि	डॉ. मीता अग्रवाल	अतिथि व्याख्याता, हिन्दी विभाग
05.	मैं ढूंढ रहा हूं	गोपाल अग्रवाल	एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर राज.विज्ञान
06.	वक्त (समय)	वरूण साहू	एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
07.	मेरा गाँव बहुत प्यारा था	गोपाल अग्रवाल	एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर राज.विज्ञान
08.	अमर श्रद्धांजलि	आरती देवांगन	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी
09.	माँ तुम भगवान का रूप हो	दुर्गेश्वरी कश्यप	स्वयं सेवक, रा.से.यो.
10.	आव्हान	आरती देवांगन	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
11.	पानी पानी कर देंगे	रिकेश्वरी वर्मा	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
12.	कागज का है खेल सलोना	दुर्गेश्वरी कश्यप	एम.ए. द्वितीय, हिन्दी
13.	बचपन	भागवत देशमुख	बी.एस.सी. प्रथम
	छत्तीसगढ़ी छटा		
14.	बेटी	डॉ. मीता अग्रवाल	अतिथि व्याख्याता, हिन्दी विभाग
15.	मोर मन के बात मैं बतांव कइसे	योगेश्वरी गोस्वामी	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी
16.	का कहिबे संगवारी जमाना शराब के बीके हे	रिकेश्वरी वर्मा	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी
17.	भ्रष्टाचार	योगेश्वरी गोस्वामी	रा.से.यो. स्वयं सेवक
18.	मे किसान के बेटा अंव	कृष्ण कुमार साहू	बी.ए.तृतीय
19.	मोर धरसींवा गाँव	प्रफुल्ल वर्मा	बी.कॉम. प्रथम
	लघु कथायें		
20.	हाथी और बंदर	सुरेखा वर्मा	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी
21.	मिट्टी और कुंभकार	सुरेखा वर्मा	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी
22.	बुरे वक्त की जमा पूंजी	प्रतिमा साहू	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी
23.	धान के खेत में चोर - एक सत्यकथा	तोरण वर्मा	बी.ए. तृतीय

	ज्ञानवर्धक		
24.	विद्यार्थी के लिए चाणक्य नीति का महत्व	सुश्री. अदिति भगत	सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य
25.	आओ बूझे छत्तीसगढ़ी जनऊला	डॉ. मीता अग्रवाल	अतिथि व्याख्याता हिन्दी साहित्य
26.	जनउला पहेलियाँ	अन्नपूर्णा साहू	एम.ए. द्वितीय, हिन्दी
27.	मतदान	दुगेश्वरी कश्यप	स्वयं सेवक रा.से.यो.
	आलेख		
28.	स्वतंत्र भारत और युवा	डॉ. श्रीमती शबनूर सिद्दिकी	प्राध्यापक, इतिहास
29.	National Cabet Corps (NCC)	Dr. Sushama Mishra	Asst. Prof. (English)
30.	Optimism	Dr. Sunita Dubey	Asst. Prof. (Commerce)
31.	जनजातियों में तत्वदृष्टि एवं जीवन दृष्टि की प्रकृति	डॉ. रश्मि कुजूर	सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र
32.	Self Discipline	Dr. Sanjay Kumar Singh	Asst. Prof. Commerce), Program Officer (N.S.S.)
33.	Time Management	Miss Aditi Bhagat	Asst. Prof. (Commerce)
	विभागीय अकादमिक उपलब्धियाँ		
34.	प्राचार्य के कार्य	–	–
35.	इतिहास विभाग	डॉ. श्रीमती शबनूर सिद्दिकी	प्राध्यापक (इतिहास)
36.	राजनीति विभाग	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे	प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)
37.	वनस्पति शास्त्र विभाग	श्री कौशल किशोर	सहा.प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र)
38.	हिन्दी विभाग	डॉ. मीता अग्रवाल	अतिथि व्याख्याता (हिन्दी साहित्य)
39.	अंग्रेजी विभाग	डॉ. सुषमा मिश्रा	सहा.प्राध्यापक (अंग्रेजी साहित्य)
40.	भौतिकशास्त्र विभाग	श्रीमती जी. नाग भार्गवी	सहा.प्राध्यापक (भौतिक शास्त्र)
41.	वाणिज्य विभाग	डॉ. श्रीमती सुनीता दुबे	सहा.प्राध्यापक (वाणिज्य)
42.	समाजशास्त्र विभाग	श्रीमती रश्मि कुजूर	सहा.प्राध्यापक (समाज शास्त्र)
43.	रसायन शास्त्र विभाग	श्री हेमंत कुमार देशमुख	सहा.प्राध्यापक (रसायन शास्त्र)
44.	गणित विभाग	कु. अर्चना तिवारी	अतिथि व्याख्याता (गणित)
45.	क्रीड़ा विभाग	श्री अनिल कुमार महोबिया	क्रीड़ा अधिकारी
46.	NCC	डॉ. सुषमा मिश्रा	Associate NCC Officer
47.	NSS	श्री संजय कुमार सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
48.	Red Cross	डॉ. सुनीता दुबे	प्रभारी
49.	Red Ribbon Club	–	प्रभारी

विशेष उपलब्धियाँ

महाविद्यालय का नैक प्रत्यायन

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission
Certificate of Accreditation
The Executive Committee of the National Assessment and Accreditation Council on the recommendation of the duly appointed Peer Team is pleased to declare the Government Pt. Shyamacharan Shukla College Dharsiwa, Dist. Raipur, affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University, Chhattisgarh as Accredited with CGPA of 2.02 on seven point scale at B grade valid up to February 07, 2024
Date : February 08, 2019
Director

शासकीय पं श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय (शंकर नगर) धरसींवा, रायपुर ने सत्र 2017–18 से नैक प्रत्यायन की दिशा में अपने कदम अग्रसर किये। तदपश्चात् सत्र 2017–18 व 2018–19 के निरन्तर प्रयास, प्राचार्य के सफल नेतृत्व व मार्गदर्शन तथा महाविद्यालय परिवार के अथक परिश्रम व इस संस्था से जुडें प्रत्येक शुभचितक के सहयोग के फलस्वरुप महाविद्यालय ने बी. ग्रेड प्राप्त किया।

नैक प्रत्यायन की प्रक्रिया में, नैक द्वारा संस्था का SSR (Self Study Report) स्वीकृत होने के प्श्चात् नैक निरीक्षण टीम का आगमन (NAAC Peer Team Visit) दिनांक 17–18 जनवरी 2019 को महाविद्यालय में हुआ। सदसीय टीम जिसमें चेयरपर्सन डॉ. वी गोपाला रेड्डी, मेम्बर कोर्डिनेटर डॉ. राजेन्द्र कांकरिया व मेम्बर डॉ. पंडयाराजन वल्लीमुत्थु शमिल थे, द्वारा संस्था का भौतिक मूल्यांकन किया गया, जिसके अंतर्गत टीम ने महाविद्यालयीन अधोसंरचना, लैब, ग्रंथालय, कार्यालय, विभिन्न विभाग, क्रीड़ा, इकाई जैसे NSS, NCC, Red Cross, अन्य सुविधायें जैसे पेय जल, Girls common Room, Waste management, इत्यादि का निरीक्षण किया, साथ ही शैक्षणिक स्टाफ, छात्र, अभिभावक व भूतपूर्व छात्रों से विशेष बैठकों के माध्यम से महाविद्यालय, शिक्षा, आकदमिक विकास इत्यादि पर चर्चा की। प्रथम दिवस के अंत में छात्र–छात्राओं ने छत्तीसगढ की संस्कृति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

विज़िट के दूसरे दिवस पूर्वनियोजित अंतिम पड़ाव में EXIT MEET आयोजित की गई, जिसमें प्राचार्य ने महाविद्यालय का दर्पण सार के रुप में प्रस्तुत किया व प्रत्यायन की दिशा में किये सम्पूर्ण प्रयासों की विवेचना की, साथ की पियर टीम के सहयोगात्मक, सोहाद्रपूर्ण व अभिप्रेरणात्मक व्यवहार के लिये आभार अभिव्यक्त किया। चेयरपर्सन डॉ. रेड्डी ने निरीक्षण के दौरान अवलाकित बिन्दुओं पर चर्चा की व महाविद्यालय की विकासशीलता की सराहना की। अपने उद्बोधन के पश्चात् चेयरपर्सन द्वारा गोपनीय रिपोर्ट प्राचार्य डॉ. डी.एस. जगत को सौंपी गई। कार्यक्रम के अंत में आई.क्यू.ए.सी. कोर्डिनेटर डॉ. जी नाग भर्गवी द्वारा आभार अभिव्यक्त कर कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

पियर टीम विज़िट के 20 दिवस में ही दिनांक 08 फरवरी 2019 को महाविद्यालय को बी. ग्रेड का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। निश्चित की महाविद्यालय के लिए गौरव व संतोष की बात है कि, प्रथम प्रयास व अपने स्वयं के भवन की प्राप्ति के छठवें वर्ष में ही संस्था ने सफलतापूर्वक नैक प्रत्यायन करा अच्छा ग्रेड भी प्राप्त कर लिया। साथ ही संस्था ने अपने लिय एक मानक भी स्थापित कर लिया है, कि अगले नैक प्रत्ययान तक स्वयं को कितना आगे ल जाना है, कि संस्था का सम्मान व विकास बना रहे व उत्तरोत्तर वृद्धि करे।

महाविद्यालय का गौरव

प्रदीप वर्मा बी.काम. प्रथम वर्ष के छात्र द्वारा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स प्रतियोगिता जैवलिन थ्रो (भाला फेक) में राष्ट्रीय स्तर पर बैंगलोर में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया एवं महाविद्यालय में खेल में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया ।

प्रोत्साहन पुरस्कार (गोल्ड मेडल)

महाविद्याालय में अध्ययनरत नियमित छात्र–छात्राओं को शैक्षणिक/अकादमिक/सांस्कृतिक/खेलकूद आदि गतिविधियों की ओर रुझान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष की भाति इस वर्ष भी प्रोत्साहन स्वरूप गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

सत्र 2018–19 में प्रदत्त स्मृति/प्रोत्साहन पुरस्कार (गोल्ड मेडल)

क्र	पुरस्कार/(गोल्ड मेडल) का नाम	पुरस्कार प्रायोजक का नाम	विद्यार्थियों का नाम
1.	स्व. श्रीमती सुखमत बाई जी स्मृति में Best Student of The Year	डॉ. डी. एस. जगत, प्राचार्य	कु.भावना साहू एम.एससी. चतुर्थ सेमे.
2.	स्व. श्री शिवजी भाई पटेल स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ छात्र – स्नातक विज्ञान संकाय)	माननीय श्री देवजी भाई पटेल, पूर्व विधायक धरसींवा,	कु. राजेश्वरी कश्यप बी.एससी. अंतिम बॉयो
3.	स्व. श्रो तुलसी भाई पटेल स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ छात्र–स्नातक कला/वाणिज्य संकाय)	माननीय श्री देवजी भाई पटेल, पूर्व विधायक धरसींवा,	कु. ऐश्वर्या बी.ए.अंतिम
4.	स्व.हाजी मो. खलील सिद्दीकी (पिता) की स्मृति में पुरस्कार इतिहास विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी	डॉ. श्रीमती शबनूर सिद्दीकी प्राध्यापक (इतिहास)	कु.हेमपुष्पा वर्मा बी.ए. अंतिम
5.	स्व. श्री मंगल प्रसाद जी बंछोर स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी एम.एससी. गणित)	श्री दिलेन्द्र बंछोर अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति शा. पं. श्यामाचरण शुक्ल महावि,धरसींवा	कु. शीतल वर्मा एम.एससी. गणित चतुर्थ सेमे.
6.	स्व. डॉ. आर.पी. चौधरी स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी एम.ए. राजनीति शास्त्र)	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र)	कु. रानू वर्मा एम.ए. राजनीति चतुर्थ सेमे.
7.	स्व. श्री ओंकार प्रसाद शर्मा (गुरूजी) स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी – विज्ञान संकाय गणित)	श्री शालिकराम शर्मा जनपद पंचायत सदस्य, धरसींवा	रईसुन्नीशा बी.एससी. अंतिम गणित
8.	स्व. श्री राम कुमार अग्रवाल की स्मृति में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी एम.ए. हिन्दी सहित्य	डॉ. श्रीमती सुलेखा अग्रवाल सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)	कु. मंजू धीवर एम.ए. हिन्दी, चतुर्थ सेमे.
9.	स्व. डॉ. जी.पी.राय स्मृति पुरस्कार (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी – विज्ञान संकाय जीवविज्ञान)	श्री कौशल किशोर सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान)	कु. शारदा जागड़े बी. एससी. अंतिम बॉयो
10.	स्व.श्री रामश्वर राम महोबिया स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)	श्री अनिल कुमाार महोबिया क्रीड़ा अधिकारी	श्री प्रदीप वर्मा बी.कॉम प्रथम
11.	स्व.श्रीमती लक्ष्मी देवी चौधरी (माता) की स्मृति पुरस्कार (स्नातक अंतिम में सर्वाधिक अंक)	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे प्राध्यापक, (राजनीति शास्त्र)	कु. रमा मानिकपुरी बी.एससी. अंतिम गणित
12.	स्व. श्री हेमंत कुमार सिगारे की स्मृति पुरस्कार (रवि.वि.वि. की प्राविण्य सूची में 7वॉं स्थान)	डॉ. श्रीमती संध्या सिंगारे प्राध्यापक, (राजनीति शास्त्र)	श्रीमती गीता वर्मा एम.ए. राजनीति
13.	स्व. श्री जोहना राम एवं मोहिनी बाई स्मृति पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक – रा.से.यो.)	सुश्री अदिती भगत सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)	कु. योगेश्वरी गोस्वामी एम.ए. द्वितीय हिन्दी
14.	स्व. श्री फिलिप कुजूर स्मृति पुरस्कार (समाजशास्त्र विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी)	डॉ. रश्मि कुजूर सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र)	कु. सपना गोस्वामी बी.ए. अंतिम

कविता

शब्द सुमनांजलि

जोगी सा जीवन है जिया ,
विष हरदम प्याला पिया,
देश धर्म के खातिर जिसने
अरमानो को हरदम सिया।
मधुर कल्पना मधुर थी यादें
संग थी चुंबन की सौगाते
मगर शत्रु ने किया वार जब
केवल मातृभूमि के वादे।

लगा जान की बाजी अपनी
धरती को बना के सजनी
तन मन सब वार दिया
चिरनिद्रा में महाप्रयाण।
रक्षक रक्षा करते हुए
आहुति दे मन प्राण,
किया गमन परलोक मे
शहादत देकर महान।

*** 14 फरवरी पुलवामा मे आतंकवाद की भेट चढ़े 44 जवानों के प्रति शब्द श्रद्धांजलि ***

डॉ. मीता अग्रवाल
अतिथि व्याख्यता, हिन्दी विभाग

मैं ढूंढ रहा हूँ

अंधों की बस्ती में आईने की दुकान ढूंढ रहा हूं
मैं इंसानों में आजकल इंसान ढूंढ रहा हूं।
अमन शांति भाईचारा यह सब सुना तो बहुत है
कहीं देख भी पाउ बस ऐसा एक जहान ढूंढ रहा हूं।
पागल हूं जो सोचता हूं, कि पीतल भी सोना हो जाएगा
बेईमानों की बस्ती में इमान ढूंढ रहा हूं।
जहर बहुत घोला है शब्दों ने हवाओं में
बस जुबा मीठी कर दे ऐसे पकवान ढूंढ रहा हूं।
दिललगी ना सही बस दिल को ही लग जाए
उस हसीन चेहरे की एक मुस्कान ढूंढ रहा हूं।
आजाद तो है फिर भी गुलामी सी लगती है
वह सोने की चिड़िया वाला हिंदुस्तान ढूंढ रहा हूं।

गोपाल अग्रवाल
एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर राजनीति विज्ञान

वक्त (समय)

सारी खुशी है लोगों के जीवन में.........
पर मुस्कुराने के लिए वक्त नहीं।
माँ बाप के प्यार का एहसास है.......
पर दोनों के पास पाँच मिनट बैठने का वक्त नहीं।
अब ऑलाईन सबसे बातें हो जाती है........
पर दोस्तों से मिलने का वक्त नहीं।
आँखों में नींद तो है........
पर सुकून से सोने के लिए वक्त नहीं।
सुद–दुख का एहसास तो है......
पर हसने रोने के लिए वक्त नहीं।
भाग दौड़ से भरी इस दुनियां में.....
जीवन जीने के लिए वक्त नहीं।
अब पता नहीं वक्त के साथ जिंदगी में कहाँ जाना है,
एक दिन तो वक्त को छोडकर ही जाना है।
इससे पहले कुछ वक्त ही सही.......
जिंदगी को जी कर देखो
वक्त से जिन्दगी हसीन है......
इसे महसूस कर के देखो।।

वरुण साहू
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

मेरा गाँव बहुत प्यारा था

एक दरिया था और एक किनारा था,
मेरा गाँव बहुत ही प्यारा था।।

छत टपकती थी बारिशो में कभी,
घर था कच्चा, मगर हमारा था

हाथ सर पर किसी का होने से
दिल को दरस सी थी... सहारा था

छोड़ कर सब वहां चले आये,
हमको दीवानगी ने मारा था।।

दिल जो सावन में मिल के धड़के थे
एक तुम्हारा था.. एक हमारा था

ले चल मुझे फिर वहीँ,
मैंने बचपन जहाँ गुज़ारा था।

एक दरिया था और एक किनारा था,
मेरा गाँव बहुत ही प्यारा था।।

गोपाल अग्रवाल
एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर राजनीति विज्ञान

अमर श्रद्धांजलि

............पुलवामा घटना............

आज कुछ सियारो ने छल से
शेरो को है मार दिया।।
जो नहीं होना था '' पुलवामा में ''
धटना को अंजाम दिया।।
जिसने छुपकर घात किया,
खत्म करो उन गद्दारो को।।
शेर पे वार क्या होता है,
बतला दो उन सियारो को।।
जिसे धरती का स्वर्ग है कहते,
नरक में तुमने बदल डाला।।
माँ भारती के हरे आँचल को,
खुन से तुमने रंग डाला।।
200 किलो आर डी एक्स
डस पर मोढर कार थी।।
जो देश में रहकर देशद्रोह करे
पहचानो ऐसे कायरो को।।
वीर जवानो की शहादत पर
पुरा देश रोया है।।
माँ भारती ने अपने
44 सपुतो का खोया है।।

सुनी हो गई माँ की गोद,
पत्नी का सिन्दुर मिटा।।
बच्चे बाप को तरस गये,
बुढे पिता का सहरा छुटा।।
धरी रह गई बहनो की राखी,
भाई से भाई का प्यार मिटा।।
माँ भारती के समर्पित जवानो का,
सुनहरा संसार गया।।
जागो मेरे वीर जवानो,
बदला लो गद्दारो से।।
हर हमलावार की लाश बछा दो,
अब अपनी तलवारो सें।।
जो शहीद हुए उन वीरो के,
शहादत का तुम सम्मान करों।।
झुकने न दे माँ भारती का सर,
बस इतना सा तुम काम करों।।
अब कहा जाकर छुपोगें,
कौन तुम्हे बचाएगा।।
देश भक्त जवानों की दहाड़ से,
मौत की थर्राएगा।।

आरती देवांगन , एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी

माँ तुम भगवान का रूप दो

माँ तुम भगवान का रूप हो।
मेरी खुशीयो का स्वरूप हो।।
अनके दुख सहकार हमें खुश रखा।
हमें अपना हिस्सा खिलाकर स्वयं व्रत रखा।।
कैसे चुकाउ ममता के कर्ज मैं तेरे।
सौ जन्म लेकर भी न चुका पाऐंगे भुजाऐं मेरे।।
खुशी इस बात की तुम्हारी कोख से जन्म लिया।।
गम इस बात की आज तक तुम्हें कुछ न दिया।।
तेरे संस्कारों से ही सीखा मैने।
बड़ो का सम्मान छोटो से स्नेह करना मैने।।
बस यही प्रार्थना है कान्हा से मेरी।
जब–जब जन्म लू वह कोख हो तेरी।।
मॉ तुम भगवान का रूप हो।
मेरी खुशीयों का स्वरूप हो।।

दुर्गेश्वरी कश्यप, स्वयं सेवक ,रा.से.यो

आव्हान

कायरता का तेल चढ़ा हैं, लाचारी की बाती पर।
दुश्मन नंगा नाँच रहा है, भारत माँ की छाती पर।।
दिल्ली वाले इन हमलों पर, दो आँसू रो देते हैं।
कुत्ता एक मारने में हम कई शेर खो देते है।।
अब केवल आवश्यकता है हिम्मत की खुद्दारी की।
दिल्ली केवल मौका दे, दे बस दो दिन की तैयारी की।।
सेना को आदेश थमा दो, घाटी गैर नहीं होगी।
जहाँ तिरंगा नहीं मिलेगा, उसकी खैर नहीं होगी।।
भारत एक अखक राष्ट्र है, सवा अरब की ताकत है।
हमको कोई आँख दिखा दें, किसकी भला हिमाकत है।।
भारत माता का बटवारा है जिनकी अभिलाषा में।
वो समझेंगे अर्जुन के गाण्डीव धनुष की भाषा में।।
घरती अम्बर और समन्दर को ये भाषा बतला दो।
दुनिया की हर पंच सिकन्दर को ये भाषा बतला दो।
गीली मेंहदी रोई होगी, चुपके–चुपके कोने में।
ताजा काजल छुटा होगा, धुप–छुप करके रोने में।
जब बेटे की अर्थी आयी होगी, धर के सुने आंगन में।
शायद दुध उतर आया होगा, बुढ़ी माँ के आँचल में।

आरती देवांगन , एम.ए. द्वितीय, सेमेस्टर

पानी पानी कर देंगे

माँ बाप के जीने का सहारा था वो बेटा
जिस बेटे पर धोखे से वार किया पाकिस्तानों ने
अरे हिम्मत है तो सामने से वार कर ऐ गद्दार
पूरा पानी –पानी कर देगे तुझे ऐ पाकिस्तान
जागो ऐ नौजवान भारत माँ कि सन्तान
कतरा–कतरा सिमट–सिमटकर बन जा एक तूफान
पूरा पानी –पानी कर देगे तुझे ऐ पाकिस्तान
लहू रंगो में उबल रहा है, आज ये काम आयेगा
जहाँ गिरेगी एक–एक बूँद वहाॅ किला बन जायेगा
पाकिस्तान तुमने हमारे वीर जावानो की खुनो से वैलेडारडे मनाये
हम तुम्हारे खुनो से होली मनायेगे
हमारे वीर शहीदो की कसम
पूरा पानी–पानी कर देगे तुझे ऐ पाकिस्तान

रिकेश्वरी वर्मा, एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

कागज का है खेल सलोना

कागज का है खेल सलोना ।
स्याही पड़े तो बन जाए सोना।।
पेड़ काटकर बनाया यह कागज
व्यर्थ न गवाओं यह कागज।।
देखा मैने एक दिन काट रहे थे पेड़ लोग।
मैने कहा क्यो लेते हो पाप अपने सर पे लोग।।
नहीं–नहीं है पाप यह काम है हमारा।
इसी से तो बनेगा कागज ढेर सारा।।
बच्चे कागज से बनाते है खिलौना।
नालो में छोड देते है नाव बनाकर सुन्दर सलोना।।
कागज से बनाते चिड़िया और बनाते है फूल।
बस, ट्रेन बनाकर बच्चें हो जाते है सुपर कूल।।
पत्रकार के है यह शान।
सच छाप कर बढ़ाते अपना मान।।
कागज का है खेल सलोना।
स्याही पड़े तो बन जाए सोना।।

दुर्गेश्वरी कश्यप, एम.ए. द्वितीय, हिन्दी

बचपन

जीवन की कश्मकश् से बेखबर है बचपन..
खुशियो भरा विशाल समंदर है बचपन..।।
घर की किलकारी और हुडदंग है बचपन..
अपनो की डाट और उसमें छुपा प्यार है बचपन..।।
तोतली बोली में छुपा मिठास है बचपन..
माँ –पिता और सभी का दुलार है बचपन..!!
भविष्य की चिंताओ से अनजान है बचपन..
माँ की ममता का वरदान है बचपन..।।
हर मुश्किलों से लड़ने को तैयार है बचपन..
अगर पिता की छाया में सुरक्षित है बचपन..।।
सिर्फ प्यार और प्यार है बचपन..
जिंदगी का सबसे सुंदर अहसास है बचपन...।।

भागवत देशमुख , बी.एस.सी. प्रथम

छत्तीसगढ़ी छटा

बेटी

बेटा बेटी एक समान, |
राखव हरदम एकर मान ||
भेदभाव झन करव सियान |
दोनों कुल बर होय महान ||
बाढय अँगना घर के मान |
चेत लगा के सुन लव कान ||
पढ़ा लिखा के करव सियान |
बेटी होथे कुल के आन ||

बेटी कोमल फूल सुवास |
उज्जर चकचक रहे अवास ||
खुशी बिखेरे खिल खिल हाँस |
एकर बिन घर सून उदास ||
ऐकर होवय रूप हजार |
कोख पडत झन ऐला मार ||
हवय सृष्टि संरचना कार |
बेटी ले हे घर परिवार ||

डॉ. मीता अग्रवाल
अतिथि व्याख्याता , हिंदी विभाग

मोर मन के बात मैं बतांव कइसे

मोर मन के बात मै बतावँ कइसे,
आजादी के मतलब समझाँव कइसे,

अमीर गरीब के ये खेल ल समझाँव कइसे,
अमीर के लईका ला देखथव त झुलना म झुलथे
गरीब के लईका ला देखथव त फका म झुलथे
संगे फरक दोनों कम कतेक पडथे

मोर मन के बात मै बताँव कइसे ||
एक झन ल देखत त हवा म उड़थे
दूसर ल देखत त गोड म उड़थे
एक झन ह अपन नागर ल चलावत हे
छानही के कुरिया सरंग पावत हे
ठही धरती म दुनो जिनगी ल बिताथे
कभु कृश्ण सुदामा करा मिले जाथे
फूल भर के महाचाही हाथ मिलके सिराथे
फेर फरक दोनो कतेक पड़थे ||

योगेश्वरी गोस्वामी, एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर (हिन्दी)

का कहिबे संगवारी जमाना शराब में बीके हे

का कहिबे संगवारी जमाना घलो शराब मा बीके हे
आज के लईका अऊ सियान पीये बर सिखे हे
खासत रिथे गॉव के खल्हा डोकरा 2
ओखरो सांस हा बिड़ी मा टिके हे
का किबे संगवारी जमाना घलो शराब में बीके हे।।

गॉव शहर के संगसी संगसी मा ऐखर हे भट्टी
का रोबे का गाबे मरनी – ऐखरो बर हे छट्टी 2
अरे जिहीं करा पाथे तिही करा 2 जय बम – भोले के तिरथे
चलाथे फटफटी ला रफतार में, बीच सड़क में जा के गिरथे

शराब पीना शरीर बर हानिकारक हरे 2
अइसन घलो सियाही खइता लिखे हे
का किबे संगवारी जमाना घलो शराब में बीके हे।।

रिकेश्वरी वर्मा
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी

भ्रष्टाचार

अऊ कहां ले लस लस चुरे अंगाकर,
अऊ नई हे चाउर पिसाना,
अऊ सरी चीज महंगी होगे छूटे जात परान,
बड़ करलई हे भगवान बतोवव कइसन करय किसान,
शक्कर ला खादिच चाटी, अऊ तेल ला पी दिच मुसवा,
अऊ जनता होगे रिंगी–चिंगी, नेता होगे कुसवा,
अऊ महंगाई हा टोनही होगे, अऊ भ्रष्टाचार हा मशान,
बड़ करलई हे भगवान.............।।

योगेश्वरी गोस्वामी
रा.से.यो. स्वयं सेवक

मे किसान के बेटा अंव

मे किसान के बेटा संगी, मे किसान के बेटा अंव
माटी ले सोना उपजाथंव, धरती के सेवा बजाथंव,
गरमी सर्दी कुछ रहाये, तभो ला मे नई सुरताबंव।।
कलजुग हर मोर पार नई पाइस, कलजुग घलो मा त्रेता अंव,
मे किसान के लईका रे संगी, मे किसान के बेटा अंव।।
मेहनत मोर पूजा संगी, माटी हर भगवान रे,
टप–टप चूत्थे मोर पसीना, काबर हव हैरान रे।।
झूठ लबारी दुरिहा मोर ले, मे अपन माटी के नेता अंव,
मे किसान के लईका रे संगी, मे किसान के बेटा अंव।।

कृष्ण कुमार साहू, बी.ए.तृतीय

मोर धरसींवा गाँव

कतेक सुघ्घर लगथे मारे धरसींवा गॉव ह अब्बड सुघ्घर लगथे ' मोर धरसींवा बसे हे खारून नदी 'के तीर' म मोर गाँव धरसींवा ह अब्बड़ सुघ्घर लागथे। चरौदा मन्दिर हवे इंहा के शान जिहाँ विराजथे हमर डमरू वाला बम भोला ह। जिहाँ विराजथे हमर डमरू वाला बम भोला ह। जिहाँ पुन्नी मा हर बद्दर मेला भराथे, दूरिहा–दूरिहा ले आथे ए चरौदा मन्दिर ल धुमे ला। त जम्मो झन ला आकर्शित करथे हमर खारून नदी ह।

खारून नी 'के तीर मा बसे हे बरतनारा गाँव जिहां बनथे आनी –बानी के कला दीया कलशा, सुवारी माता रानी के मूर्ति घलो बनथे। हमर कुँरा गाँव के मन्दिर– मस्जिद ह सिखाथे मानवता के पाठ–पठाथे। जिहॅा हिन्दू मुस्लिम ह एक जगहा रिथे, अइसन हे मोर धरसींवा गाँव। हमर मोहदी गॉव म रावण आकृति मूर्ति के पूजा धलो होथे।

पिकनिक स्पॉट जइसे लागथे खारून नदी के तीर हा। त इंहा के ''श्यामाचरण कॉलेज देथे आधुनिक शिक्षा, शोध होथे इंहा के महाविद्यालय म अइसन शान हावे मोर धरसींवा गाँव के। चाँदनी जइसे चमकथे इंहा के जनपद पंचायत ह। ता भैरव– बाबा धाम हा बढ़ाथे इहा के शोभा ला, बोहरहि के मन्दिर हवे एला प्राचीन स्थल माने गे हे। बड़ शान हावे मोर धरसींवा गाँव के।

प्रफुल्ल वर्मा, बी.कॉम.प्रथम

– // हाथी और बंदर // –

एक हाथी था, उसका मित्र बंदर था। लेकिन एक दिन उन दोनो की मित्रता टूट गई। तो हाथी और बंदर अलग–अलग हो गए। एक दिन बंदर ने हाथी को चिढाया। वह बोला – लंबी सूंड, सूपा जैसे कान, मोटे–मोटे पैर। यह सुनकर हाथी को गुस्सा आया तो वह भी बंदर को चिढाने लगा। इतनी लंबी पूंछ काला मुंह का बंदर। उसने हाथी को नाखून गडा दिए, तो हाथी ने उसको सूंड से पकड़कर गोल–गोल घुमाकर नदी में फेंक दिया तो बंदर चिल्लाने लगा।

हाथी मुझे बचाओ –बचाओ। हाथी को दया आ गई और उसे पानी से बाहर निकाल लिया। बंदर ने हाथी से माफी मांगी, मुझे माफ कर दो। हाथी ने बंदर को माफ कर दिया और दोनो फिर से अच्छे मित्र बन गए।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मलती है कि बाह्य आकर्षण और सुन्दरता उतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितनी आन्तरिक हद्वयगत सुन्दरता होती है। जो विपत्ति पड़ने पर दूसरे के काम आ सके।

सुरेखा वर्मा
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी

– // मिट्टी और कुंभकार // –

बार–बार पैरों तले कुचले जाने के कारण मिट्टी आपने भाग्य पर रो पड़ी। ओह! मैं कैसी बदनसीबी हूँ, कि सभी लोग मेरा अपमान करते हैं, कोई भी सम्मान की दृश्टि से नहीं देखता जबकि मेरे ही भीतर से प्रस्फुटित होने वाले फूल का कितना सम्मन है। फूलों की माला पिरोकर गले में पहनी जाती है। भक्त लोग अपने अराध्य के चराणें में चढाते है। स्त्रियां अपने बालों में गूंथ कर गर्व का अनुभव करती है। क्या ही अच्छा हो कि मैं भी लोगों के मस्तिश्क पर चढ जाऊं।

मिट्टी के अंदर से निकलती हुई आह को जानकर कुंभकार बोला मिट्टी बहिन् तुम यदि सम्मान पाना चाहती हो तो तुम्हे बड़ा सम्मान दिला सकता हूं लेकिन एक शर्त है। तुम्हारी जितनी भी शर्ते हो मुझे सभी स्वीकार हैं। बस मुझे लोगो के पैरों तले से हटा दो, कुंभकार की बात को बीच में ही काटते हुए मिट्टी ने कहा।

तो फिर ठीक है, तैयार हो जाओं, कहते हुए कुंभकार ने जमीन खोदकर मिट्टी बाहर निकाली। गधों की सवारी कराता हुआ उसे घर ले आया। पानी में डालकर उसे बहुत देर तक गीली रखा। इतना ही नहीं फिर पैरो से उसे खूब रौदा। कश्टो को सहते हुए मिट्टी बोली, अरे भाई! बहुत कष्ट दे रहे हो। कब मुझे सम्मान का पात्र बनाओगे ? मिट्टी बहिन। धैर्य रखो।

अभी सहती जाओ, तुम्हे मधुर फल जरूर मिलेगा। कुंभकार की बात सुनकर मिट्‌टी कुछ नहीं बोली।

कुंभकार ने मिट्‌टी को चाक पर चढाया और उसे तेजी से धूमाते हुए घड़े का रूप दिया। फिर धूप में सुखाया। कश्ट सहते–सहते जब मिट्‌टी का धौर्य टूटने लगा तो कुंभकार बोला, 'बस बहन!' अब केवल एक अग्नि –परीक्षा ही शेश है। और सभी में तुम उतीर्ण हो चुकी हो। यदि उसमें भी उत्तीर्ण रही तो लोग सती–सीता की तरह तुम्हे भी मस्तक पर चढा लेंगे। सीता को लोग सिर झुकाकर सम्मान देते है। किन्तु तुम्हें तो सिर पर सजा कर धूमेंगी।

आखिर मिट्‌टी ने सब कुछ सह कर अग्नि परीक्षा भी उतीर्ण कर ली। फिर क्या था ! सचमुच सुंदरियां उसे सिर पर उठाए फिरने लगी। मिटटी अपने सम्मान पर प्रफुल्लित हो उढी।

कथा का सार यह है कि, सम्मान पाने के लिए कष्ट सहने ही पडते है। परिश्रम, सहनशीलता व धैर्य के फलस्वरुप ही सम्मान की प्राप्ति होती है।

सुरेखा वर्मा
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर, हिन्दी

– // बुरे वक्त की जमा पूंजी // –

एक किसान था। इस बा र वह फसल कम होने की वजह से चिंतित था। घर में राशन ग्यारह महीने चल सके उतना ही था। बाकी एक महिने का राशन कहां से इंतजाम होगा यह चिंता उसे बार–बार सता रही थी। किसान की बहू का ध्यान जब इस ओर गया तो उसने पूछा, पिता जी आजकल आप किसी बात को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। तब किसान ने अपनी चिंता का कारण बहू को बताया। किसान की बात सुनकर बहू ने उन्हें आश्वासन दिया की वह किसी बात की चिंता न करें। उस एक महीने के लिए भी अनाज का इंतजाम हो जाएगा। जब पूरा वर्श उनका आराम से निकल गया तब किसान ने पूछा कि – आखिर ऐसा कैसे हुआ ? बहु ने कहा – पिताजी जब से आपने मुझे राशन के बारे में बताया तभी मैं जब भी रसोई के लिए अनाज निकालती उसी में से एक – दो मुट्‌ठीहर रोज वापस कोठी में डाल देती है। बस उसी की वजह से बारहवें महीने का इंतजाम हो गया।

कहानी की सीख : इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में बचत की आदत डालनी चाहिए। ताकि किसान की तरह बुरे वक्त में जमा पूंजी काम आ सके।

प्रतिमा साहू
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी

– // धान के खेत में चोर – एक सत्यकथा // –

धान के खेत मे घुस,चोरों ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया।
धान रोपी ही थी,घुसकर कोहराम मचाना शुरू कर दिया।।

धान की पौधों को लेकर,कुछ चोरों को भगाना शुरू कर दिया।
फिर दलदलनुमा मिट्टी में,उछलना कूदना शुरू कर दिया।।

कीचड़मय शरीर कर,किसान को डराना शुरू कर दिया।
जो भी उन्हें भगाने आये,कीचड़ उछालना शुरू कर दिया।।

भयभीत कर उन्होंने किसान की जमी,हथियाना शुरू कर दिया।
हमने पूंछा दद्दा से,दद्दा बोले कलयुग ने दुष्प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया।।

ये क्या गांव गरीब किसान ने,आंसू बहाना शुरू कर दिया।
धान के खेत मे घुस,चोरों ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया...

तोरण वर्मा, बी.ए. तृतीय

ज्ञानवर्धक

– // विद्यार्थी के लिए चाणक्य नीति का महत्व // –

1) काम, क्रोध, लोभ, स्वाद, श्रृंगार (रति) कौतिक (मनोरंजन), अतिनिद्रा एवं अतिसेवा– विद्या की अभिलाषा रखने वाले को इन आठ बातों का त्याग कर देना चाहिये।
2) पुस्तकों में लिखी विद्या और दूसरों के पास जमा किया गया धन कभी समय पर काम नहीं आते। ऐसी विद्या या धन को न होने के बराबर ही समझना चाहिए।
3) आलसी व्यक्ति या छात्र का न तो वर्तमान होता है और न भविष्य।
4) इस बात को बाहर मत आने दीजिये कि आपने क्या करने के लिए सोचा है, इसे रहस्य ही बनाये रखना अच्छा है और इस काम को करने के लिए दृढ रहिये जब तक कार्य सफल नहीं हो जाता.
5) जल के एक–एक बूँद के गिरने से धीरे–धीरे घड़ा भर जाता है। इसी प्रकार सभी विद्या, धर्म और धन–संचय धीरे–धीरे ही होता है।
6) कोई काम शुरू करने से पहले, स्वयं से तीन प्रश्न कीजिये कि मैं ये क्यों कर रहा हूँ, इसके परिणाम क्या हो सकते हैं और क्या मैं सफल हो पाऊंगा? जब गहराई से सोचने पर इन प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर मिल जायें, तभी आगे बढ़ना उचित है.
7) जब आप किसी काम की शुरुआत करते हैं तो असफलता से मत डरें और उस काम को ना छोड़ें. जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं वो सबसे प्रसन्न होते हैं और उन्हीं की उन्नति होती है.
8) विद्वान की प्रशंसा सभी लोगों में होती है। वह सर्वत्र पूजा जाता है। विद्या से सभी प्रकार का लाभ प्राप्त होता है, विद्या की पूजा सर्वत्र होती है। इसीलिए अधिक से अधिक ज्ञान अर्जन कीजिये।
9) पुस्तकों के पढ़ने से विद्या नहीं आती, वह गुरू के सान्निध्य से प्राप्त होती है।
10) जिसके पास न विद्या है, न तप है, न दान है और न धर्म है, वह इस मृत्युलोक में पृथ्वी पर भार स्वरूप मनुष्य रूपी मृगों के समान घूम रहा है। वास्तव में ऐसे व्यक्ति का जीवन व्यर्थ है. वह समाज के किसी काम का नहीं है।

सुश्री. अदिती भगत, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य

– // आओ बूझे छत्तीसगढ़ी जनऊला // –

1) ठुड़गा रूख म बुड़गा नाचे।
2) कारी गाय कलिन्दर खाय, दुहते जाय पनहाते जाय।
3) नानचून टूरा, कूद–कूद के पार बाँधे।
4) तरिया पार में फट–फीट, तेकर गुदा बड़ मिठ।
5) एकझन कहे संझातिस झन, दूसर कहे पहातिस झन।
6) पूछी में पानी पियय, मूँड़ी ललीयाय।

7) करिया बईला बैठे हे, लाल बईला भागत हे।
8) हरियर भाजी, साग में न भात में, खाय बर सुवाद में।
9) उपर पचरी नीचे पचरी, बीच में मोंगरी मछरी।
10) नानकुन टूरा, गोटानी असन पेट, कहाँ जाथस टूरा, रतनपुर देश।

उत्तर – 1.टंगिया 2. कुँआ 3.सुई 4.नरियर 5.दिन–रात 6.दिया 7.आगी 8.पान 9.जीभ 10.नरियर

डॉ मीता अग्रवाल
अतिथि व्याख्याता हिन्दी

जनउला पहेलियाँ

1) फाँदे के बेर एक ठन, ढीले के बेर दू ठन।
2) एक सींग के अइसन गाय जतके पाय ततके खाय।
3) एक रस्सी म तीन गठान नई जानेच त तोर ददा पठान।
4) पान गुजगुज फल लड़वा नई जानही तेकर भाई भड़वा।
5) लम्बा रास्ता एक मैदान चार खिलाड़ी एक कप्तान।
6) काँटे मा कटाय नहीं, भोंगे मा भोंगाय नहीं।
7) दिखे में लाल लाल, छिये में गूज–गूज, हा दाई चाबदिस दाई बड़ेक जन बूबू।
8) सुलुँग सपेटा फुनगी में गाँठ, नई जानही तेकर नाक लकाँट।
9) आय लूलू जाय लूलू, पानी ल डर्राय लूलू।
10) अइठे गोइठे पार म बइठे।

उत्तर 1.दतवन 2. जाँवा 3. ऊगंति 4.प्याज 5. हाथ 6.छाया 7.मिर्चा 8.बाँस 9.जूता 10.पगड़ी

अन्नपूर्णा साहू , एम.ए. द्वितीय , हिन्दी

मतदान

राजनीति को क्यूँ धिक्कारे।
अच्छा हो मतदान स्वीकारे।।

मतदान से लाभ होगा।
देश का विकास होगा।।

मतदान है जरूरी वह सीढी।
करे मतदान व्यस्क हर पीढ़ी।।

मतदान है जरूरी
जनजागरण की कोशिश हो पूरी।।

मतदान को न समझे व्यर्थ।
इसी में है विकास का अर्थ।।

दुर्गेश्वरी कश्यप
एम.ए. द्वितीय, हिन्दी , स्वयं सेवक रा.से.यो.

आलेख

स्वतंत्र भारत और युवा

हर घर में दिया भी जले अनाज भी हो,
अगर ऐसा न हो तो ऐतराज भी हो।
हुकूमतों को बदलना तो कुछ मुहाल नहीं,
हकूमतें जो बदल दे वो समाज भी हो।

आज भारत स्वतंत्र है। इस विशिष्ट अवसर पर हमने देश, समाज और संस्थान की प्रगति की समीक्षा की है। निष्कर्षतः' सकारात्मक और नकारात्मक विचारों की एक '' लंबी फेहरिस्त अपनी अपनी सुविधानुसार विश्लेषित की, और इसके बाद शुरू हुआ वो 364 दिन, जो हमने भारत को कोसने में लगाया, और हम भूल गए अपनी भूमिका अपनी भागीदारी।

भारत की स्थिति का अगर सटीक विभाजन किया जाय, तो यहां एक वर्ग वो है, जो पढा लिखा है और समीक्षा की सूझ बूझ रखता है, अच्छाई, बुराई को पहचानता है किन्तु विडम्बना है, कि वो इस उथल पुथल से अलगाव को ही अपनी सुरक्षा मानता है।

आबादी का दूसरा बडा हिस्सा जो अब तक अशिक्षित है, वोट बैंक है। आर्थिक अभावों से ग्रस्त यही तबका कभी जात–पात तो कभी मंदिर–मस्जिद की बलिवेदी पर चढता रहा है और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी चुनता आया है। परिणामतः मिलता है, वही प्रदूशण, जो हमारे समाज में अंग्रेजो की फूट डालो और राज करो की विरासत है।

तीसरा वर्ग युवा शक्ति है, जिसके मजबूत कंधे भारत का स्तंम्भ है। इन्हे आवश्यकता सही मार्ग दर्शन की है। पुरानी पीढ़ी से कम्यूनिकेशन गेप से दोनों में कई मुद्दो को लेकर फर्क है किन्तु दोनों ही भारत को नई उँचाइयों पर देखना चाहते है। भारत ही एक ऐसा देश है। जिसकी युवा शक्ति ने भारत को नए आयाम दिए है।

राष्ट्रीय स्तर पर तो इन्होने भारत पर अपना परचम लहराया ही है, क्षेत्रीय स्तर पर भी ये जियाले आजादी के लिए मर मिटे है।

अतीत पर दृश्टि डाले तो 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, छत्तीसगढ का युवा सोनाखान के शहीद वीर नारायण सिंह की फांसी की याद दिलाता है। अंग्रेजो द्वारा दी गई यह फांसी न केवल आंतक का वातावरण निर्मित करने के लिए थी, बल्कि उनका उद्देश्य था कि, कोई दूसरा ऐसा दुस्साहस न करे, किन्तु नारायण सिंह की फांसी के 50वें दिन ही हनुमान सिंह जो '' मेग्जीन लश्कर '' के पद पर आसीन थे, अंग्रेज अधिकारी सिडवेल की हत्या कर दी। सजा जानते हुए भी ऐसा कारनामा कर गुजरना भारतीय युवा जिगर का ही काम था। इसके बाद तो अंग्रेजो को भारत से खदेड़ने का हर कदम, चाहे महिला हो पुरूष, सोपान दर सोपान युवा शक्ति का सहयोग लेकर, आगे बढ़ता रहा और स्वतंत्रता प्राप्त हुई। परिणामतः भारत निरंतर आधुनिकता की आरे अग्रसर है।

आधुनिकता का सार है प्रगति, और प्रगति का अर्थ है, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मानव उपयोग उपलिब्धयॉ और नूतन ज्ञान।

भारत को विश्व शिखर पर नामित करने में सहस्त्रों बाधाए हैं, क्यो ? ये यक्ष प्रश्न है।

स्वामी विवेकानंद के अनुसार – आप हजारो समाज बना सकते है, आप हजारो संगठन बना सकते है, पंरतु

इनकी उपयोगिता नहीं है, क्योंकि यहां न मानव प्रेम है, न सहानुभूति।

केन्द्रीकृत नौकरशाही व्यवस्था में लगातार गिरावट आज प्रशासन तंत्र में आमूल चूल परिवर्तन की बाट जोह रही है। चँहु ओर भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार स्वआंकलन की आवश्यकता है। बाह्य आंतकवाद/आंतरिक आतंकवाद, जिसके अंतर्गत कुपोशण, भूखमरी, नक्सलवाद, अशिक्षा निरंतर फलफूल रहे है। संसद से लेकर मीडिया तक बाहरी आतंकवाद के हजारो हताहतो को लेकर हल्ला बोलते है। जबकि आंतरिक आतंकवाद की भयानकता में यह संख्या करोड़ो में होती है। दोशी सजा के अभाव में छूट जाता है। जातीयता, कामचोरी, झूठ, स्वार्थ, रिश्वत जैसे शब्द डिक्शनरी से निकलकर आत्मा में घर बना बैठे है। युवा पथभ्रमित है चारों आरे सट्टा, चोर बाजारी का बोलबाला है।

अगर उन्नति के साथी हम है।
तो क्या विघटन के जिम्मेदार नही।
गर चाँदनी को पाना है
तो क्या तपती धूप की दरकार नही।

समस्त स्थितियों पर दृश्टिपात करने पर सवाल यह उठता है, कि अपने सपनो के भारत में हमारी भागीदारी कैसे और किस क्षेत्र में हो ? पहले आप पहले आप कि बनिस्बत पहले हम पहले हम की आरे कदम बढ़ाए।

परिवार प्रथम पाठशाला है, अच्छे संस्कार महान व्यक्तित्व निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं और स्वस्थ समाज जन्मता है। समाज को प्रदूशित करने और होने से बचाएं। उत्तेजित भाशण, जाति विशेश पर टिप्पणी, स्वयं को उच्च और दूसरे को निम्न न समझे। आज ''मनी इज़ लाइफ'' का कांसेप्ट हर युवा हृदय पर हावी है। एक रात में अमीर बनने की लालसा इन्हें गला काट प्रतिस्पर्धा, साइबर क्राइम जैसे अपराध की आरे खींच रही है। पैसे का मोल और सही उपयोग आवश्यक है। चरित्र निर्माण स्वस्थ समाज की नींव है जो गहरी होना आवश्यक है।

शिक्षा का क्षेत्र सबसे महत्वूर्ण है, श्रेष्ठ शिक्षा मानव मस्तिश्क को सही राह दिखाती है। भटकाव से बच निकलना शिक्षा का मूल मंत्र है। उच्च तकनीक, मेडिकल इंजिनियंरिग, पुलिस बैंकिग, फैशन, सिनेमा, संगीत हर वर्ग की अपनी महत्ता है। विदेशी पलायन से बचकर उत्तम शिक्षा का स्वदेशी दोहन भी सच्ची देश सेवा है।

राजनीति आज देश का सबसे भ्रष्ट और काजल की कोठरी माना जाने वाला क्षेत्र है पर क्यो ? सद्चरित्र ईमानदार, देशप्रेमी, क्यों राजनीति से दूर भागता है। वयोवृद्ध ही राजनीतिज्ञ बन सकता है, यह सोच बदलनी होगी। युवा मन की उंची उड़ान, नवीन प्रयोग और योजनाएं राजनीति में पहला कदम आवश्यक कारगर होगा। श्रेष्ठ कैरियर और मानसिक संतोष लाभदय होगा। युवा आगे बढ़े परिणाम आपना प्रमाण स्वयं देंगें।

आज आजादी संविधान से निकलकर चंद महानगरो में धूम रही है इसे उन इलाको की सैर कराए जहाँ जीवन आज भी अच्छी सड़को और रोशनी से दूर है। हर काम कोई दूसरा करेगा यह सोच छोड़नी होगी। क्योकि देश हमारा है सरकार के क्या कर्तव्य है याद दिलाने के बजाय अपने कर्तव्य का स्मरण करे।

सबको लड़ने ही पड़े अपने अपने युद्ध।
चाहे राजा राम हो या हो गौतम बुद्ध।

आने वाले वर्षो में युवा संसाधन अपना योगदान देगा। आर्थिक व्यवस्था का यह उदाल सामान्य लोगो

की बुनियादी जरूरते पूरी करेगा। वे भारत को नया सवेरा देगें क्योकि उनकी आत्मा में है, एक अदभुत रचनात्मकता, हृदय शांत करूणामय है और मस्तिष्क जागृत।

सैलाबो से आंख मिलाओ
तूफानो पर वार, करो।
मल्लाहो का दामन छोड़ो।
तैरकर दरिया पार करो।

डॉ. शबनूर सिद्दीकी
प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष – इतिहास

National Cadet Corps (NCC)

AIMS of NCC

The aims of NCC are mainly three fold:-

(a) To develop the following qualities in the cadets:-
- (i) Development of character.
- (ii) Comradeship.
- (iii) Discipline.
- (iv) Secular Outlook.
- (v) Spirit of Adventure.
- (vi) Sportsmanship.
- (vii) Ideals of selfless service among the youth of the country.

(b) To create a human resource of Organized, Trained and Motivated youth, to provide leadership in all walks of life and always be available for the service of the nation.

(c) To provide a suitable environment to motivate the youth to take up a career in the Armed Forces.

Objectives of the NCC

- (i) Reach out to the maximum youth through various instructions.
- (ii) Make NCC as an important part of the society.
- (iii) Teach positive thinking and attitude to the youths.
- (iv) Become a main source of National Integration by making NCC as one of the greatest cohesive force of our nation irrespective of any caste, creed, religion or region.
- (v) Mould the youth of the entire country into a united, secular and disciplined citizens of the nation.
- (vi) Provide an ideal platform for the youth to showcase their potential in nation building.

(vii) In still spirit of secularism and United India by organizing National Integration camps all over the country.

(viii) Reach out to the youths of friendly foreign countries through Youth Exchange Programmes. (YEP)

Conclusion:-

The NCC has come a long way and as a organization it has assumed a very important place in the country in grooming the youths to be a leader of tomorrow. Living up to its motto i.e. "Unity and Discipline" it strives in its endeavour to meet all its objectives by bringing together the vibrant youths of the entire country.

Lieutenant Sushama Mishra
Associate NCC Officer

OPTIMISM

"A man who wins is the man who thinks He can. " - Walter D Wintle

Optimism comes from the Latin word *optimus*, meaning "best," which describes how an optimistic person is always looking for the best in any situation and expecting good things to happen. Optimism is the tendency to believe, expect or hope that things will turn out well. Even if something bad happens, like the loss of a job, an optimist sees the silver lining. Optimism leads a man to success. One who thinks positively , thinks that he can achieve the things , puts his best to achieve , will not be fettered by the problems in the path of success . Optimists believe that their own actions result in positive things happening, that they are responsible for their own happiness, and that they can expect more good things to happen in the future. Optimists don't blame themselves when bad things happen. They view bad events as results of something outside of themselves. Because of their thought processes, optimists have much brighter futures. A bad circumstance or event is taken in stride, viewed as a temporary setback—not a permanent way of life. Even if something bad happens today, a positive thinker believes that good things will come again in the future. Optimism helps people cope with difficulties of life, like problems with job, family, friends, love, even health. It's an admirable quality, one that can positively affect a person's mental and physical health. Optimism can also help reduce a person's stress and increase longevity. Optimists are more open towards possibilities. They believe in actions and hard work to make things actually happen. Even if things turn out bad after giving a lot of efforts and hard work they do not blame others but works harder next time. Due to which optimists have a brighter futures. They

consider failures as a temporary setback.

The opposite vision is a pessimistic one. Pessimists believe that everything changes for the worse and always see negative side in any event, action and person. Evidently, if there were only pessimists, the world would stay grey motionless.

Optimism is not just a mental attitude towards the world around but a type of character which cannot be changed. An optimistic person will be optimistic nearly in every difficult situation trying to find something positive in it. Without optimism the world would never be so colourful and different. There would be no inventions, masterpieces of art, architecture, if the scholars and artists did not possess optimistic vision of the world and did not believe in themselves.

Dr. Sunita Dubey
Assistant Professor (Commerce)

जनजातियों में तत्वदृष्टि एवं जीवन दृष्टि की प्रकृति

अनुसूचित जनजाति, जिसे भारत में भिन्न – भिन्न कालखण्डों में भिन्न–भिन्न नामें से उबोधित किया गया है, इस समाज के मूल निवासी है। सामान्यतया उनके रहने का स्थान सुदूर वनक्षेत्रों में होता है आधुनिक तकनीक से परे इनकी अपनी विशीश्ट जीवनशैली होती है। समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से जीवन शैली को दो प्रकार की श्रेणियों में विभक्त किया गया है प्रथम भौतिक संस्कृति तथा द्वितीय अभौतिक संस्कृति। भौतिक संस्कृति के अंतर्गत समास्त तकनीक को रखा जाता है, जो किसी समुदाय की जीवनशैली को चलाने का कार्य करती है, उसे ऊर्जा प्रदन करती है। एवं द्वितीय श्रेणी में जिसे अभौतिक संस्कृति कहा जाता है के अंतर्गत समस्त परंपराएँ, उत्सव, विश्वास मूल्यों एवं प्रतिमानों को रखा जाता है जो कि किसी समुदाय विशेश की विशेष पहचान हैं। भौतिक संस्कृति सदैव ही अभौतिक संस्कृति से आगे चलती है अर्थात् तकनीक में शीध्रता से परिवर्तन होता है तथा परंपरा एवं मूल्य धीमी गति से परिवर्तित होते हैं। जनजातियों में भौतिक संस्कृति का रूप आधुनिक समाज की तुलना में अपरिवर्तनीय अथवा न्यून गति से परिर्वनीय है। जनजातीय समुदाय में अभौतिक संस्कृति के दो रूप होते है जिन्हें क्रोबर में ईंथास (जीवनदृष्टि) इडॉस (तत्वदृष्टि) नाम प्रदान किया है। तत्वदृष्टि वास्तव में किसी संस्कृति का औपचारिक प्रकटीकरण है जिसमें उनके गुण तथा उससे जुड़ी विचारधाराएँ सामाहित है तत्वदृश्टि आदर्श है जो जीवन के विभिन्न घटनाओं को समझने में दर्शनिक दृंष्टिकोण प्रदान करता है उदारण स्वरूप रसेल एवं हीरालाल (1916) ने भारयि दंतकथा की चर्चा करते हुये कहा कि उनकी उत्पत्ति पांडवों से हुई है कथा के अनुसार पांडवों ने भारू घास से कुछ व्यक्तियों की उत्पत्ति की। जो अपने को कालांतर में भारिया के पूर्वज के रूप में मान्यता प्राप्त किए। इस प्रकार जनजाति अपनी उत्पति के कारणों की व्याख्या अपने ढ़ंग से करते हैं, वह ढ़ंग ही उनकी तत्वदृष्टि है ।

परंतु जीवन दृष्टि (इथॉस) व्यावहारिक जीवन में तत्वदृष्टि के गुणों से प्रभावित होकर प्रकटीकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। दोनों एक दूसरे के पूरक है। तत्वदृष्टि के अंतर्गत सभी तरह की भावनाए पाई जाती है एवं जीवनदृष्टि के अंतर्गत व्यवहारिक जीवन में उन भावनाओं का प्रकटीकरण होता है जनजातीय समुदाय द्वारा टैबु (निषेध) का पालन करता भी उनकी जीवनदृष्टि को प्रकट करता है। जनजातीय

संस्कृति तत्वदृष्टि एवं जीवनदृष्टि के समायोजन से ही प्रकीर्गित होती है, अतः दोनों ही सांस्कृतिक तत्व महत्वपूर्ण है।

डॉ. रश्मि कुजूर, सहायक प्राध्यापक
विभागाध्यक्ष – समाज शास्त्र

SELF DISCIPLINE

Self Discipline is the ability to control one's impulses, emotions, desires and behavior. It is being able to turn down immediate pleasure and instant gratification in favor of gaining the long-term satisfaction and fulfillment from achieving higher and more meaningful goals.To possess self-discipline is to be able to make the decisions, take the actions, and execute your game plan regardless of the obstacles, discomfort, or difficulties, that may come your way. Certainly, being disciplined does not mean living a limiting or a restrictive lifestyle. Nor, does not mean giving up everything you enjoy, or, to relinquish fun and relaxation. It does mean learning how to focus your mind and energies on your goals and persevere until they are accomplished. It also means cultivating a mindset whereby you are ruled by your deliberate choices rather than by your emotions, bad habits, or the sway of others. Self-discipline allows you to reach your goals in a reasonable time frame and to live a more orderly and satisfying life.

The possession of this skill leads to self-confidence and self esteem, and consequently, to happiness and satisfaction. On the other hand, lack of self discipline leads to failure, loss, health and relationships' problems, obesity, and to other problems.This skill is also useful for overcoming eating disorders, addictions, smoking, drinking and negative habits. Students also need it to make themselves develop new skills, and for self improvement, spiritual growth and meditation. The quality of self-discipline is very rare. Being self-disciplined means knowing optimal time-management, self-control, knack of making best choices, being focused, zero procrastination, always making more attempts in the field you want to advance, upright moral character, and observing morals and ethics. A self-disciplined person does not have to be told to do the good things; he himself does them. Anyone who is not self-disciplined can't hope to be an achiever at all!

Dr. Sanjay Singh
Assistant Professor (Commerce)

Time Management

1. Set goals correctly

Set goals that are achievable and measurable. Use the SMART method when setting goals. In essence, make sure the goals you set are –

Specific, **M**easurable, **A**ttainable, **R**elevant, and **T**imely.

2. Prioritize wisely

Priortize your tasks based on importance and urgency.

For example, look at your daily tasks and determine which are:

- Important and urgent: Do these tasks right away.
- Important but not urgent: Decide when to do these tasks.
- Urgent but not important: Delegate these tasks if possible.
- Not urgent and not important: Set these aside to do later.

3. Set a time limit to complete a task

Setting time constraints for completing tasks helps you be more focused and efficient. Making the small extra effort to decide on how much time you need to allot for each task can also help you recognize potential problems before they arise. That way you can make plans for dealing with them.

4. Take a break between tasks

When doing a lot of tasks without a break, it is harder to stay focused and motivated. Allow some downtime between tasks to clear your head and refresh yourself. Consider grabbing a brief nap, going for a short walk, or meditating.

5. Organize yourself

Utilize your calendar for more long-term time management. Write down the deadlines for tasks. Think about which days might be best to dedicate to specific tasks.

6. Remove non-essential tasks/activities

It is important to remove excess activities or tasks. Determine what is significant and what deserves your time. Removing non-essential tasks/activities frees up more of your time to be spent on genuinely important things.

7. Plan ahead

Make sure you start every day with a clear idea of what you need to do – what needs to get done THAT DAY. Consider making it a habit to, at the end of each workday, going ahead and writing out your "to do" list for the next workday. That way you can hit the ground running the next morning.

8. Shedule Rewards

Plan to do sometime you want after competing a task. It will always boost you towards completiong your task. For example set your self that you will watch movie after completing this tast or I will take some treat if I would finish fast my task.

It is well said that – **Time & Time waits for none.**

If you loose time; time will loose you.

Aditi Bhagat
Assistant Prof. of Commerce

अकादमिक उपलब्धियाँ
2018-19

प्राचार्य के कार्य

शैक्षणिक सत्र 2017–18 में महाविद्यालय के प्राचार्य के मागदर्शन में संपूर्ण सत्र सुचारु रुप से संचालित रहा। महाविद्यालय में सत्रोत्तर विभिन्न अकादमिक गतिविधियाँ सफलता पूर्वक संचालित हुई जो निम्नांकित हैं –

05-06-18	'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान व प्रांगण में पौधारोपण का आयोजन किया गया।
21-06-18	' अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस ' के अवसर पर इन्द्र प्रस्थ स्टेडियम – धरसींवा में सार्वजनिक योगाभ्यास स्थानीय निवासी, स्कूली व महाविद्यालयीन छात्र व स्टाफ द्वारा किया गया संयुक्त रुप से किया गया व डॉ. सीमा शुक्ला चिकित्सा अधिकारी शा. सामुदायकि स्वास्थ्य केन्द्र (आयुष) ' द्वारा आयुर्वेद के महत्व' पर व्याख्यान दिया गया व सबके द्वारा योग संकल्प लिया गया।
23-06-18	CIPET रायपुर द्वारा बीएससी तृतीय के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया।
26-06-18	अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस : प्राचार्य के उद्बोधन के साथ विशेष रुप से उपस्थित डॉ नीता बाजपेयी (रा.से.यो.) कार्यक्रम अधिकारी, प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने भी नशा निवारण के संबंध में अवगत कराया व छात्रों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।
17-07-18	'वृक्षारोपण : बी.काम द्वितीय की संबद्धता हेतु पधारे निरीक्षण टीम द्वारा स्मृति स्वरुप 'नीम के वृक्ष का रोपण डॉ. विजय अग्रवाल (संयोजक) संकायाध्यक्ष, शास. जे.यो. छत्तीसगढ़ महावि., रायपुर, डॉ चन्द्राकर प्राचार्य, शास महावि. कुरूद एवं डॉ. करीम, विभागाध्यक्ष वाणिज्य, शास. महा.वि. महासमुन्द द्वारा किया गया।
31-08-18	प्रेमचंद जयंती के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

08-09 Aug 2018	नव प्रवेशित छात्रों हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम Induction Program का आयोजन किया गया जिसमें किला / वाणिज्य / विज्ञान संकाय व क्रीड़ा / एन.एसएस / व संपूर्ण महाविद्यालय से छात्रों को पावर पाईंट (PPT) के माध्यम से उन्मुख किया गया।	
25-08-18	स्वीप कार्यक्रम : स्वीप हेतु शासकीय टीम यथा श्रीमती डॉ. कामिनी वडवारकर (सहा. संचालक, शिक्षा मिशन, रायपुर) श्री चुन्नी लाल शर्मा (ए.पी.ओ.) जिला पंचायत रायपुर निलेश वर्मा, जनपद पंचायत धरसींवा द्वारा पोस्टर – नाटक के माध्यम से छात्रों को मतदान हेतु जागरूक किया गया ।	
05-09-18	'शिक्षक दिवस' के उपलक्ष्य में छात्रों द्वारा शिक्षकों का तिलक व पुष्प गुच्छ से सम्मान किया गया व विशेष रुप से शहीद स्व. श्री नवल किशोर शांडिल्य जो कि महाविद्यालय मे भूतपूर्व छात्र थे के परिजन को सम्मान स्वरुप सहयोग राशि प्रदान की गई।	
08-09-18	' विश्व साक्षरता दिवस ' हिन्दी विभाग के संचालन में मानाया गया जिसमें प्राचार्य व प्राध्यापकों ने विश्व साक्षरता पर अपने विचार प्रस्तुत किये।	
15-09-18	'हिन्दी दिवस' के अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा आलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।	
14-09-18	'भूमि पूजन कार्यक्रम' : कन्या छात्रावास (100 सीटर) का भूमिपजन, स्मार्ट क्लास का उद्धाटन व वार्षिक पत्रिका विविधा 2017–18 का विमोचन तत्कालीन माननीय विधायक श्री देवजीभाई पटेल जी के कर कमलो से सम्पन्न हुआ। विशेष आतिथि –के रुप में श्रीमती रूखमणी वर्मा (अध्यक्ष जनपद पंचायत), श्री अब्दुल करीम (सरपंच धरसींवा), श्री प्रदीप वर्मा (सरपंच चरोदा), श्री हेमन्त वर्मा (पत्रकार), श्री दिलेन्द्र बंछोर (अध्यक्ष, जनभागीदारी) उपस्थित रहे।	
29-09-18	'सर्जिकल स्ट्राइक दिवस' के उपलक्ष्य में छात्रो को फिल्म Surgical stike –short file History TV. दिखाई गई व NCC, NSS के छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत व भाषण प्रस्तुत किया गया।	

25-09-18	Sveep कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता रैली NCC, NSS, व अन्य छात्रों द्वारा निकाली गई। स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत आस–पास व ग्रामीण को साफ सफाई की गई व लागों को प्रेरित करने हेतु एनसीसी केडेट द्वारा पोस्टर निर्माण किया गया।
08-10-18	वस्त्र वितरण : स्थानीय जरुरतमन्द निवासियों (25–30 हितग्राही) को प्राचार्य, जनभागीदारी अध्यक्ष व महाविद्यालयीन स्टाफ द्वारा वस्त वितरण किया व स्वलपाहार कराया गया।
13-10-18	छात्र–संघ 2018–19 का गठन व शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया।
10-11 October 2019	युवा उत्सव : पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में युवा उत्सव 2018 में छात्र व छात्राओं ने सांस्कृतिव साहित्यिक प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
13-10-18	Carrier Guidance : TCS (Tata Constancy Services) के city head Mr. Gaurav Mishra द्वारा TCS Open Ignito 2018 के बारे में जानकारी व रोजगार प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन किया गया। उनके द्वारा TCS की प्रवेश परीक्षा, साक्षातकार व डिप्लोमा कोर्स के बारे में लगभग 100 छात्रों को जानकारी प्रदान की गई।
31-10-18	'AIDS AWARENESS' आमंत्रित वख्यान (Invited lecture) - Red Ribbon Club तथा NCC ईकाई के संयुक्त तत्वाधान में "Aids Awareness& Waste Management" – पर श्रीमती नीतु मंडावी, सहायक संचालक, यूथ छत्तीसगढ एड्स नियंत्रण एशोसियेशन, द्वारा व सुश्री मंजूला पाण्डेय, Associate Manager, Abt Association द्वारा – 'परिवार नियोजन विषय पर ' पावर पॉईंट (PPT) के माध्यम से व्याख्यान दिया गया।
31-10-18	''राष्ट्रीय एकता दिवस'' – सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंन्ती के अवसर पर प्राचार्य द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई।
24-10-18	संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस – राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।

14-11-18	'बाल दिवस' – बाल दिवस के अवसर पर धरसींवा में स्थित दिव्यांग स्कूल '' आकांक्षा '' (School by N.G.O. "Aakansha" School for Differenty abled) में महाविद्यालय परिवार द्वारा दीर्धयु निधि से स्वल्पाहार वितरण किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में NSS व NCC के छात्रों का विशेष योगदान रहा । साथ ही दिव्यांग बच्चों को दिनांक 8.12.218 को Personal Hygiene Kit वितरण महाविद्यालय द्वारा किया गया।	
26-11-18	संविधा दिवस के अवसर प्राचार्य द्वारा भारतीय संविधान की शपथ दिलाई गई।	
10-12-18	'मानव अधिकार दिवस' के उपलक्ष्य में बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा किया गया।	
05-01-19	भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया।	
01-01-19	Special lecture on water treatment & analysis विषय पर विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए विशेश व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री. कौशल किशोर व श्री हेमन्त देशमुख द्वारा पावर पॉईंट (PPT) के माध्यम से जल के रखरखव के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।	
04-02-19	महाविद्यालय वार्षिक पुरस्कार वितरण व स्नेह सम्मेलन समारोह 2018 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक माननीय श्रामती अनिता योगेन्द्र शर्मा जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के साथ, अभिभावक व छात्र उपस्थित रहे। छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ, मेधावी व प्रतिभावान छात्रों को प्रमाण पत्र व गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।	
29-03-19	स्वीप (SVEEP) कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को मतदान हेतु जागरुक किया गया। निस्पक्ष रुप से मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जानकारी प्रदान कर छात्रों को शपथ दिलाई गई।	

अकादमिक विभागीय उपलब्धियाँ

इतिहास विभाग

अकादमिक उपलब्धियाँ – सत्र 2018–19

08.08.2018 – उन्मुखी कार्यक्रम – इतिहास विषय की जानकारी प्रदान की गई।

09.08.2018 – अगस्त क्रांति – सिक्को की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

04.09.2018 – ग्रुप डिस्कशन – बी.ए. द्वितीय

03.10.2018 – गाँधी जयंती डाक्यूमेंट्री फिल्म ''महात्मा लघु संस्करण'' का प्रदर्शन।

10.12.2018 – शहीद वीर नारायण सिंह, बलिदान दिवस देशभक्ति गीत, नारा, स्लोगन, भाषण

29.12.2018 – अन्तर्विभागीय व्याख्यान – ''प्राचीन भारतीय समाज और वर्तमान समाज में अंतर'' –

12.01.2019 – विवेकानंद जंयती – लघु शोध कार्य – बी.ए. तृतीय ''स्वामी विवेकानंद एक महान व्यक्तित्व ''

30.01.2019 –शहीद दिवस के उपलक्ष्य में वैष्णव जन भजन का सामूहिक गायन किया गया।

डॉ. शबनूर सिद्दीकी
प्राध्यापक
विभागाध्यक्ष – इतिहास

राजनीति विज्ञान विभाग

अकादमिक उपलब्धियाँ - सत्र 2018-19

03 अक्टूबर 2018 को स्वच्छ भारत अभियान के तहत एम.ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय/तृतीय सेमे. के विद्यार्थियों द्वारा अपनी कक्षा में साफ सफाई की गई।

03 अक्टूबर 2018 को इतिहास/राजनीति/समाजशास्त्र के संयुक्त तत्वाधान में विद्याथियों को गांधी जी के अपर लधु फिल्म दिखाई गई।

एम.ए. राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा '' संयुक्त राष्ट्र संघ '' दिवस पर एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा महाविद्यालय में 10 दिसंबर 2018 को मानवाधिकार दिवस पर प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

डॉ. संध्या सिंगारे
प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष – राजनीति शास्त्र

हिन्दी विभाग

अकादमिक उपलब्धियाँ - सत्र 2018-19

1– दिनांक 31/07/2018 को महाविद्यालय में प्रेमचंद जयंती हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया गया।हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ सुलेखा अग्रवाल एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ शबनूर सिद्धकी एवं अन्य प्राध्यापकों ने प्रेमचंद जी के बारे में सामान्य एवं रोचक जानकारी दी। छात्र–छात्राओं के मध्य प्रेमचंद जी के जीवन से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

2– दिनांक 8/9/2018 को विश्व साक्षरता दिवस हिंदी विभाग द्वारा मनाया गया, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डी एस जगत सर ने विश्व साक्षरता दिवस पर सारगर्भित जानकारी दे छात्र–छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। महाविद्यालय के हिंदी विभाग के छात्र–छात्राओं में अपने विचार व्यक्त कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

3– दिनांक 15/09/2018 को हिंदी विभाग द्वारा महाविद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया, जिसके तहत'' विश्व परिदृश्य में हिंदी ''विषय पर आलेख प्रतियोगिता आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मे रही कुमारी मंजू धीवर द्वितीय स्थान पर प्रिया मैरिषा।

4– दिनांक 6–7 दिसम्बर 2018 को महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा एम.ए.प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं के लिए कक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया।

5– दिनांक 10/01/2019 को हिंदी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विश्व में हिन्दी की महत्ता विषय पर चर्चा आयोजित कर ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई।

डॉ मीता अग्रवाल
अतिथि व्याख्याता हिंदी

वनस्पति शास्त्र विभाग

1) बी.एससी. भाग एक, दो एवं तीन का विगत वार्षिक परीक्षा में परिणाम शत् प्रतिशत रहे।
2) वर्तमान सत्र 2018–19 का पाठ्यक्रम पूर्ण किया गया। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्षाए एवं युनिट टेस्ट लिए गये।
3) बी.एससी. भाग दो के छात्र/छात्राओं द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। श्री कौशल किशोर सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान) द्वारा प्रदत्त स्व. डॉ. जी.पी.राय स्मृति पुरस्कार गोल्ड मेडल (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी, विज्ञान संकाय जीवविज्ञान) कु. शारदा जागड़े बी.एससी. अंतिम बॉयो को प्रदान किया गया। बी.एससी. भाग दो के छात्र/छात्राओं द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। श्री कौशल किशोर सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान) द्वारा प्रदत्त स्व. डॉ. जी.पी.राय स्मृति पुरस्कार गोल्ड मेडल (सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थी, विज्ञान संकाय जीवविज्ञान) कु. शारदा जागड़े बी.एससी. अंतिम बॉयो को प्रदान किया गया।

4) दिनांक 01.01.19 को 'Special lecture on water treatment & analysis' विषय पर विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री. कौशल किशोर द्वारा पावर पॉईंट (PPT) के माध्यम से जल के रखरखव के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

श्री. कौशल किशोर
सहायक प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष,

Department of English

Achievements & Activities conducted during the academic Session 2018-19

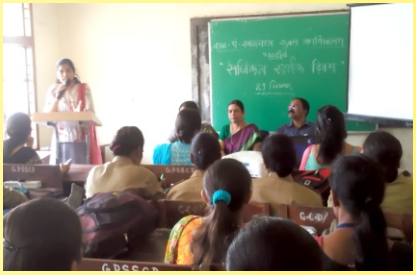

The events of the department of English for the year 2018-19 commenced with the participation in SVEEP Voters Awareness Programme on 24th September 2018.

On 29th September 2018 the department in association with NCC Unit of the college organised "Surgical Strike Day". The highlights of the programme were presentation of video on "Surgical Strike Day" which revealed the theme of the event, a highly competitive annual inter-class creative interpretation and Dramatics, Debate and Quiz, patriotic song singing competition were held in room No. 1.

On 2nd October 2018 conducted a 'cleanliness drive' in which students cleaned the college campus. On October 31st 2019 Mrs. Neetu Mandavi, Director Youth & Health Department, Govt. of Chhattisgarh, delivered a lecture on "AIDS Awareness is prevention on December 1st , 2019 an interactive-class Quiz competition was conducted by department of English on "AIDS Awareness" on the occasion of World's AIDS Day.

Dr. Sushama Mishra
Asst. Professor & Head,
Department of English

Department of Physics

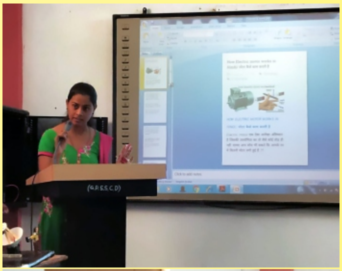

The department of physics has organized various activities during session 2018-19 as according to the calendar. In the beginning of the session orientation program has been conducted by faculty of science. Various NPTEL (National Programme on Technology Enhanced Learning) lectures were displayed and shown to the UG students of physics. All these lectures were delivered by professors of different IIT's. Classroom seminar for B.Sc.III year students is one of the important activity performed. This year on 1/1/2019, the students of B.Sc. II/III have prepared & displayed models based on fundamental laws of physics. A total of ten (10) models were displayed and explained by the students. The best models were awarded on the Annual Prize distribution ceremony.

Apart from this the department is actively engaged in doing research activities. During this session two research papers were published in international SCI (science Citation Indexed) journals. Also, the faculty has participated (presented papers) in two international and one national conference/seminar in this session.

Dr. G. Nag Bhargavi
(Assistant Professor & head)
Department of Physics

वाणिज्य विभाग

महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग की स्थापना सत्र 2017–18 में हुई है । सत्र 2018–19 में बी.काम. प्रथम वर्श में कुल 50 एवं द्वितीय वर्ष में कुल 18 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत है । वाणिज्य संकाय में सहायक प्राध्यापक के कुल 3 स्वीकृत पदों पर नियमित सहायक प्राध्यापक नियुक्त हैं । सत्र 2018–19 में महाविद्यालय की समस्त साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में वाणिज्य संकाय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता दर्ज की गयी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ठ प्रदर्शन रहा ।

- विभाग के बी.काम. प्रथम वर्ष के छात्र प्रदीप वर्मा द्वारा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स प्रतियोगिता जैवलिन थ्रो (भाला फेक) में राष्ट्रीय स्तर पर बैंगलोर में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया एवं महाविद्यालय में खेल में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया ।

- विभाग के छात्र–छात्राओं ने फील्ड प्रोजक्ट हेतु स्थानीय क्षेत्र धरसींवा में अस्थायी रूप से व्यवसाय हेतु निवासरत व्यक्तियों से सहायक प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में आंकड़ों का संग्रहण प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की ।
- विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा नैक विजिट के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुति दी गई।

- छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन तैयार किया गया।
- वाणिज्य संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ सुनीता दुबे द्वारा रेड क्रास प्रभारी के रूप में महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया ।

- वाणिज्य संकाय के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार सिंह ने एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी के रूप में सात दिवसीय शिविर का आयोजन कर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया ।
- विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ सुनीता दुबे एवं सुश्री अदिति भगत द्वारा एन.एस.एस. सात दिवसीय शिविर में बौद्धिक परिचर्चा में भाग लेकर छात्र–छात्रओं को मार्गदर्शन प्रदान किया ।
- विभाग के सहायक प्राध्यापकों द्वारा समस्त विभागों के पर्यावरण परियोजना कार्य को समपन्न कराया गया ।

- विभाग में सहायक प्राध्यापकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से पुस्तकों पत्र–पत्रिकाओं का संग्रहण कर विभागीय लाईब्रेरी बनाकर छात्र–छात्राओं को पुस्तकों की कमी को दूर करने हेतु प्रयासरत है।

- 'वृक्षारोपण : बी.काम द्वितीय की संबद्धता हेतु पधारे निरीक्षण टीम द्वारा स्मृति स्वरुप 'नीम के वृक्ष का रोपण डॉ. विजय अग्रवाल (संयोजक) संकायाध्यक्ष, शास. जे.यो. छत्तीसगढ़ महावि., रायपुर, डॉ चन्द्राकर प्राचार्य, शास महावि. कुरूद एवं डॉ. करीम, विभागाध्यक्ष वाणिज्य, शास. महा.वि. महासमुन्द द्वारा किया गया।

डॉ. सुनीता दुबे
सहायक प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष,
वाणिज्य संकाय

समाज शास्त्र विभाग

अकादमिक उपलब्धियाँ – सत्र 2018–19

08/08/18 उन्मुखीकरण कार्यक्रम : समाजशास्त्र विषय की जानकारी

17/09/18 क्लास सेमिनार : बी.ए. प्रथम वर्श के विद्यार्थीयों के द्वारा स्वयं PPT बनाकर स्मार्ट क्लास रूम में विभिन्न शीर्षकों में प्रस्तुती दी गयी।

03/10/18 'महात्मा' लघु संस्करण का प्रदर्शन : इतिहास एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान ममें Smart class room में लधु संस्करण

05–07.12.18 राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में अतिथि व्याख्यान : बरकातुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में विभाग के सहायक प्राध्यापक के द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया ।

विभाग के छात्र–छात्राओं ने फील्ड प्रोजक्ट हेतु स्थानीय क्षेत्र धरसींवा में अस्थायी रूप से व्यवसाय हेतु निवासरत व्यक्तियों से सहायक प्राध्यापक के मार्गदर्शन में आंकड़ों का संग्रहण प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की।

डॉ. रश्मि कुजूर
सहायक प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष, समाज शास्त्र

रसायन शास्त्र विभाग

अकादमिक उपलब्धियाँ – सत्र 2018–19

1- नियमित सैद्धांतिक व प्रायोगिक कक्षायें ली गई। समय सारणी अनुसार संपूर्ण पाठ्यक्रम पूर्ण कराया गया।

2- नियमित रूप से यूनिट टेस्ट लिया गया जिसका रिकॉर्ड व कॉपी रखी गई है।

3- फरवरी माह मे ंआंतरिक मूल्यांकन व प्रयोगिक परीक्षायें संपन्न करायी गई। आंतरिक मूल्यांकन का रिकॉर्ड रखा गया है। एवं प्रायोगिक परीक्षा का रिकार्ड विश्व विद्यालय को भेज दिया गया हे।

4- दिनांक 01.01.19 को 'Special lecture on water treatment & analysis' विषय पर विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री हेमन्त देशमुख द्वारा पावर पॉईंट (PPT) के माध्यम से जल के रखरखव के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

श्री हेमंत कुमार देशमुख
सहायक प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष
रसायन शास्त्र

गणित विभाग

सत्र 2018–19 में बी.एससी. प्रथम वर्ष में कुल 76 तथा द्वितीय वर्ष में 47 एवं तृतीय वर्ष में 38 छात्र–छात्राऐं अध्ययनरत है। तथा सत्र 2018–19 में एम.एससी. पूर्व में 15 तथा एम.एससी. अंतिम में 14 छात्र– छात्रायें अध्ययनरत है।

❖ गणित विभाग में प्राध्यापक तथा सहायक प्राध्यापक के 1– 1 पद स्वीकृत है, जो कि रिक्त है जिनके स्थान पर कुल 2 अतिथि व्याख्याता नियुक्त है।

❖ सत्र 2018–19 में महाविद्यालय की समस्त साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता दर्ज की गई। एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में ंउत्कृष्ठ प्रदर्शन रहा।

❖ विभाग के छात्र –छात्राओं द्वारा नैक विजिट के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुति दी गई।

❖ छात्र–छात्राओं का विभिन्न विषयों से संबंधित पावर –पाइंट प्रेजेन्टेशन तैयार किया गया ।

❖ विभाग में अतिथि व्याख्याताओं द्वारा व्यक्तिगत रूप से पुस्तकों (स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर) का संग्रहण कर विभागीय लाईब्रेरी बनाकर छात्र–छात्राओं को पुस्तकों की कमी को दूर करने हेतु प्रयासरत है।

- ❖ गणित विभाग में कु. भावना साहू को सर्वश्रेष्ठ छात्रा हेतु तथा कु. शीतल वर्मा को स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने हेतु गोल्ड मेडल (स्मृति पुरस्कार) प्रदान किया गया है।
- ❖ गणित विभाग में बी.एससी. ंअंतिम की छात्रा रईसुन नीशा को स्नातक स्तर पर सर्वाधिक ंअंक हेतु गोल्ड मेडल प्रदान किया गया है।
- ❖ विभाग के स्नातकोत्तर छात्र –छात्राओं द्वारा विशय में संबंधित प्रोजेक्ट कार्य सम्पन्न किया गया।
- ❖ विभाग द्वारा एन.एस.एस. सात दिवसीय शिविर में भाग लेकर छात्र–छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया।

अर्चना देवांगन
अतिथि व्याख्यता

क्रीड़ा विभाग
(वार्षिक खेल–कूद उपलब्धियाँ)

सत्र 2018–19 में राज्य शासन द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता तथा विश्वविद्यालय द्वारा अयोजित अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता में महाविद्यालय टीम में भाग लिया।

अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता :–

- क्रॉकरी दौड 21 किमी – 7वॉ एवं 9वॉ स्थान प्राप्त
- सायकल रेस में प्रतिभागिता

शासन द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता

1- कबड्डी महिला एवं पुरूष

2- बैडमिन्टन पुरूष

3- एथलेटिक्स (म./पु.)
गोला फेक (म./पु.)
भाला फेक (म./पु.) – भाला फेक में पुरूष – द्वितीय स्थान प्राप्त
तवा फेक (म./पु.)

दौड 100, 200, 400 मीटर (म./पु.) – 200 मीटर दौड में महिला एवं पुरूष – तृतीय स्थान प्राप्त

दौड 5000 मी. एवं 10000 मीटर (पु.)

4- कुमारी दामिनी साहू बी.ए. प्रथम वर्ष राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में रायपुर जिले का प्रतिनिधित्व किया।

5- प्रदीप वर्मा बी.कॉम. प्रथम भाला फेक में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर का प्रतिनिधित्व आल इंडिया एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लिया।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कबड्डी, हैण्डबॉल, बैडमिन्टन का प्रतियोगिता अयोजन किया गया।

श्री अनिल महोबिया
क्रीड़ाधिकारी

NCC (National Cadet Corps)

15-08-2018 - 18 SW Cadets Enrolled
- March past on Independence Day

24-09-2018 - Poster Making Activity on Theme - "Clean India"

29-09-2018 - Celebrated surgical strike day.

25-11-2018 - Celebration on NCC Day.

01-12-2018 - Conducted Quiz on AIDS Awareness

26-01-2019 - Republic Day Celebration

Sushama

Dr. Sushama Mishra
A.N.O

रा.से.यो. (N.S.S.)

2018–19

- ❖ दिनांक 21 जून 2018 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस, के अवसर में इन्द्रप्रस्थ स्टेडियम धरसींवा में योग का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक भी सम्मिलित हुए।

- ❖ सत्र 2018–19 में महाविद्यालय में स्वयं सेवक की संख्या को शासन ने स्वीकृत 50 सीट में वृद्धि करते हुए 100 सीट कर दी। महाविद्यालय में सत्र 2018–19 में 113 स्वयं सेवक पंजीकृत जिसमें 63 छात्रा तथा 50 छात्राएँ है।

- ❖ अध्यापन एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया, जिसमें 50 औशधीय पौधे लगाये गये।

- ❖ छात्रों में नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास एवं बाल अधिकार, (यूनिसेक) दिनांक 05.10.2018 से 06.10.2018 तक दो दिवसीय कार्यशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय के 6 स्वयं सेवक कार्यशाला में सम्मिलित हुए।

- ❖ महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस दिनांक 31.10.2018 को स्वयं सेवकों द्वारा मनाया गया।

- राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता हेतु दिनांक 31.12.2018 को ग्राम मुर्रा में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया ।
- महाविद्यालय में दिनाक 17.01.2019 एवं 18.01.2019 को नैक टीम का भ्रमण हुआ इस समय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने वालेन्टियर के रूप में सहयोग प्रदान किया।
- स्वामी विवेकानंद जी के जंयती पर 12.01.2019 का राश्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा युवा दिवस मनाया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना की सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम अकोली में दिनांक 28.1.2019 से 03.02.2019 तक आयोजित किया गया। इस शिविर की दैनिक दिनचर्या – प्रभात फैरी, योग, जागरूकता रैली, परियोजना कार्य सर्वे कार्य, बौद्धिक परिचर्चा सांस्कृतिक कार्यक्रम रही।

डॉ. संजय कुमार सिंह
सहायक प्राध्यापक – वाणिज्य
कार्यक्रम अधिकारी (रा.से.यो.)

यूथ रेड क्रॉस (Youth Red Cross)

महाविद्यालय में पंजीकृत यूथ रेड क्रास यूनिट सत्र 2017–18 से कार्यरत है । सत्र 2018–19 के लिए प्राचार्य की अध्यक्षता में यूथ रेड क्रास समिति का गठन किया गया । जिसमें प्राचार्य अध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक, क्रीड़ा अधिकारी, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी सदस्य हैं । साथ ही वाणिज्य, कला एवं विज्ञान संकाय से एक–एक छात्रा प्रतिनिधि शामिल हैं । रेडक्रास यूनिट द्वारा सत्र में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया –

- दिनांक 08.10.2018 को स्थानीय क्षेत्र के जरूरतमंदों को वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें प्राचार्य सहित सभी प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापकों द्वारा वस्त्र वितरण किया गया ।

- दिनांक 1.12.2018 को एड्स दिवस के अवसर पर 'एड्स जागरूकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें आंमत्रित विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सीमा शुक्ला द्वारा एड्स से बचाव एवं उपचार बताए गए साथ ही मानसिक तनाव एवं खानपान में नियंत्रण रख स्वस्थ रहने के उपाय भी बताए और छात्र–छात्राओं को मेडिटेशन भी कराया गया ।

- दिनांक 8.12.2018 को महाविद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारी, कर्मचारी सहित कुल 341 छात्र–छात्राएं लाभान्वित हुए।

- शिविर में आकांक्षा दिव्यांग स्कूल, धरसींवा के छात्र–छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । साथ ही छात्र–छात्राओं को पसर्नल हाइजीन किट का वितरण भी किया गया ।

उक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त रेडक्रास यूनिट महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को स्वच्छ पर्यावरण हेतु जागरूक करने एवं पॉलीथीन रहित कैम्पस बनाये जाने हेतु सतत् प्रयासरत है ।

प्रभारी
डॉ. सुनीता दुबे
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य

PHOTO GALLERY

Teaching-Learning

ICT/Smart Class

Projects/ Research

Field Visit

Invited Lectures

Student Monitoring/Welfare

Mentoring Class

Orientation Program

Parents-Teacher Meet

PHOTO GALLERY

Extension/Good Practices

Benefaction – A Helping Hand

Plantation s

NSS Camps

SVEEP

OATH

PHOTO GALLERY

Health Camp

Youth Festival

Annual Day

Memories of NAAC Visit

[17th -18th January 2019]

Welcoming NAAC Peer Team

Welcoming NAAC Peer Team

Principal's Presentation

IQAC Presentation

Interaction with Teaching Staff

DepartmentalPresentation

Department Visit

Laboratory Visit

NCC Visit

Classroom Visit

NSS Visit